

27

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

२१॥ वलानीनी माहुवचनत्रयान्तर्याम्यं मुरान्त्रात्मपत्तमश्रीरिष्यापत्तम सुहावाप्यपापत्तम कुप्रालोका
त्तम किंहु वस्त्रिहु पानालका महुगी गिन्नेपकोपत्तम त्रयपत्तमवचनवपत्तमवचनश्रीका श्रीत्रयपत्तम
पकोश्रीका श्रीमहुहुनिपारीष्यापत्तम ॥ **वचनप्यत्तम** ॥ गरात्तम वचनवत्तमवचनवत्तम वचनवत्तम
वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम
वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम
वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम
वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम
वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम वचनवत्तम

